

**BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP PHILOSOPHY)**

Term-End Examination

00471

June, 2015

**ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY
BPY-011 : PHILOSOPHY OF HUMAN PERSON**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) *Answer all five questions.*
(ii) *All answer carry equal marks.*
(iii) *Answer to questions no. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
-

1. Trace out the development of concept of human person in the history of philosophy. **20**

OR

Write an essay on the gender issues from the perspective of philosophy of human person. **20**

2. Differentiate philosophy of human person from other disciplines like psychology, psychoanalysis, sociology, anthropology, political science etc. **20**

OR

Critically evaluate notions of free will and personal freedom. **20**

3. Answer **any two** of the following in about **200** words each :
- (a) Enumerate the concepts of human person as discussed by medieval philosophers like Augustine and Thomas Aquinas. 10
 - (b) What is cartesian dualism regarding human person ? Explain. 10
 - (c) Do you agree with religious views on immortality of the soul ? Why ? 10
 - (d) Illustrate Marxian understanding of human labour. 10
4. Answer **any four** of the following in about **150** words each :
- (a) Explain human person as a social being. 5
 - (b) Discuss vedic concept of human person. 5
 - (c) Describe determinism and Karma theory. 5
 - (d) Highlight existentialists emphasis on human's concrete existence. 5
 - (e) How do you understand 'Human Rights' ? 5
 - (f) Make a distinction between 'sex' and 'gender'. 5
5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each :
- (a) Noumenon 4
 - (b) Ātman 4
 - (c) Organic life 4
 - (d) Human will 4
 - (e) Being - in - the - world 4
 - (f) Panca kosa 4
 - (g) Bodiliness 4
 - (h) Evolution 4
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र
बी.पी.वाई.-011 : मानव-व्यक्ति दर्शन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

-
- नोट : (i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।
-

1. दर्शन के इतिहास में मानव-व्यक्ति की अवधारणा के विकास पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

मानव-व्यक्ति दर्शन के दृष्टिकोण से लिंग सम्बंधी प्रकरणों पर निबन्ध लिखिए। 20

2. मानव-व्यक्ति दर्शन को ज्ञान की अन्य शाखाओं जैसे कि मनोविज्ञान, मनोविश्लेषण, समाजशास्त्र, मानवशास्त्र, राजनीति शास्त्र आदि से भिन्नता को प्रदर्शित कीजिए। 20

अथवा

स्वतन्त्र संकल्प और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

3. **किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में दीजिए :**
- (a) मध्यकालीन दार्शनिकों, जैसे कि ऑगस्टाइन और थॉमस एक्वीनास, द्वारा विवेचित मानव-व्यक्ति संप्रत्यय को स्पष्ट कीजिए। 10
- (b) मानव-व्यक्ति सम्बन्धी दे कार्तिय द्वैतवाद क्या है? व्याख्या करें। 10
- (c) क्या आप अमरता के सम्बन्ध में प्रस्तुत धार्मिक विचारों से सहमत हैं? वर्णन कीजिए। 10
- (d) मानव-श्रम के मार्क्सवादी दृष्टिकोण पर प्रकाश डालिए। 10
4. **किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए :**
- (a) सामाजिक प्राणी के रूप में मानव - व्यक्ति की व्याख्या करें। 5
- (b) मानव-व्यक्ति की वैदिक अवधारणा पर विमर्श कीजिए। 5
- (c) निर्धारणवाद और कर्म सिद्धान्त का वर्णन कीजिए। 5
- (d) अस्तित्ववादियों द्वारा मानव के मूर्त अस्तित्व पर बल देने पर प्रकाश डालिए। 5
- (e) आप 'मानव अधिकारों को कैसे समझते हैं? 5
- (f) लिंग और शरीरी लिंग (Sex) के मध्यभेद करें। 5

5. किन्हीं पाँच प्रश्नों के प्रत्येक का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए :

- | | |
|--|---|
| (a) पारमार्थिक सत् | 4 |
| (b) आत्मन | 4 |
| (c) जैविक जीवन | 4 |
| (d) मानव संकल्प | 4 |
| (e) विश्व - में - सत् (being - in - the - world) | 4 |
| (f) पंच कोश | 4 |
| (g) शारीरिकता | 4 |
| (h) उद्विकास | 4 |
-